

अपगत व्याधि वि. (तत्.) [अपगत-व्याधि] 1. जिसका शारीरिक रोग पूरी तरह जड़ से नष्ट हो गया हो। 2. जिसका रोग दूर हो गया हो रोगरहित, सेवा मुक्त।

अपगति स्त्री. (तत्.) [अप+गति] 1. दुर्गति, दुर्दशा 2. अधोगति 3. दुर्भाग्य।

अपगम पुं. (तत्.) 1. वियोग, अलग होना, दूर जाना, भागना 2. मृत्यु।

अपगमन पुं. (तत्.) विषय से (दूर) हट जाना, अपगम करना।

अपगा स्त्री. (तत्.) [अपग+आ स्त्रीप्रत्यय] 1. निरंतर प्रवाह युक्ता नदी 2. उबड़-खाबड़ क्षेत्रों में बहने वाली नदी।

अपगीत पुं. (तत्.) [अप+गीत] 1. असामयिक गीत, अशुभगीत 2. किसी से संबंधित अभद्र कथन 3. अपयश, बुराई।

अपगुण पुं. (तत्.) [अप+गुण] 1. दोष, अवगुण 2. दुगुण 3. बुरी आदतें।

अपघटन पुं. (तत्.) विभक्त होकर नष्ट हो जाना रसा. ऐसा परिवर्तन जिसमें अणु ऐसे दो या दो से अधिक अणुओं में परिणित हो जाता है जिनके संघटन से वह बना है। decomposition

अपघटना स्त्री. (तत्.) दुर्भाग्यपूर्ण घटना, आपात। casualty

अपघर्षक पुं. (तत्.) घिसाई, रगड़ाई, चिकना करने आदि के लिए प्रयुक्त पदार्थ, जैसे- रेगमाल, झांवा आदि।

अपघर्षण पुं. (तत्.) रगड़ के फलस्वरूप घिसाई। वायु, जल आदि के बहाव में गतिमान बालू या शैल-मलबे से घर्षण द्वारा भृपृष्ठ का छिल कर, घिस कर या पिस कर कट जाना।

अपघर्षी वि. (तत्.) 1. बहुत अधिक घर्षण करने वाला 2. रगड़ने वाली कोई वस्तु 3. अपघर्षक।

अपघात पुं. (तत्.) 1. हत्या, हिंसा 2. आत्महत्या 3. वंचना, धोखा, विश्वासघात।

अपघातक वि. (तत्.) 1. नष्ट करने वाला, घातक 2. विश्वासघाती, वंचक, धोखा देने वाला।

अपघाती वि. (तत्.) दे. अपघातक।

अपच पुं. (तत्.) भोजन आदि के न पचने की स्थिति, भोजन न पचने का रोग, अजीर्ण, बदहजमी।

अपचय पुं. (तत्.) जीव. जीव-शरीर के भीतर होने वाली विनाशक प्रक्रिया तथा उससे संबंधित रासायनिक क्रियाएँ। दे. चयापचय तथा उपापचय तु. चय।

अपचयन पुं. (तत्.) रसा. किसी रासायनिक अभिक्रिया में किसी पदार्थ द्वारा इलेक्ट्रानों अथवा हाइड्रोजन का लाभ और ऑक्सीजन की हानि। पर्या. अनॉक्सीकरण तु. ऑक्सीकरण।

अपचयी स्त्री. (तत्.) प्राणि. प्राणियों की कोशिकाओं के भीतर होने वाली एक रासायनिक प्रक्रिया जिसमें कठोर पदार्थ टूट कर हल्के हो जाते हैं और एक विशेष प्रकार की ऊर्जा निकलती है।

अपचयी वि. (तत्.) 1. जिसमें अपचय (हास, सड़न आदि में होने का दोष हो 2. जो अपचय से संबंधित हो।

अपचयोपचय पुं. (तत्.) अपचय तथा उपचय, उपापचय, चयापचय रासायनिक क्रिया जिसमें एक अभिकर्मक का अपचयन (अनॉक्सीकरण) और दूसरे का उपचयन (ऑक्सीकरण) होता है।

अपचरण पुं. (तत्.) 1. अनुपयुक्त आचरण, अपचार करना, कर्तव्य या दायित्व पूरा न करना, गलत काम करना, किशारों का अपराध, कर्तव्य की अवहेलना 2. अपने अधिकार-क्षेत्र से निकलकर दूसरे के अधिकार-क्षेत्र में बिना अनुमति अतिक्रमण सीमा का उल्लंघन, अतिचार।

अपचरित पुं. (तत्.) [अप+चरित] 1. दूषित आचरण 2. दुष्कर्म, अपराध 3. अत्याचार 4.